सिंचाई तथा विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अलगेसन) : (क) तथा (ख). इस योजना का सर्वे और छानबीन हो रही है।

(ग) जी हां।

(घ) तथा (ङ). छानबीन के बाद ही परियोजना की रिपोर्ट तैयार की जाएगी। लागत और उन ग्रामों की संख्या का पता जो कि जलमग्न हो जाएगी रिपोर्ट के तयार हो जाने के बाद ही चलेगा।

कानपुर में ऊपरी पुल

१४७९. **श्री ब० बि० मेहरोत्रा** : क्या रेलवे मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कानपुर शहर में बिजली घर के पास मरे फाटक कम्पनी के पास तथा उनकी स्टेशन के पास के फाटक पर अकसर यातायात रुका रहता है ;

(ख) क्या उपरोक्त स्थानों पर तृतीय पंचवर्षीय योजना में ऊपरी पुल बनाये जाने की योजना है ; और

(ग) यदि हां, तो यह काम कब तक शुरू किया जायेगा ?

रेल मंत्रालय में उपमत्री (श्री सें० वें० रामस्वामी) : (क) जी हां। रेल यातायात के गुजरते समय सुरक्षा की दृष्टि से समपार फाटकों को, यथा-सम्भव कम से कम समय के लिए, बन्द करना पड़ता है।

(ख) और (ग). मौजूदा समपारों के स्थान पर लाइन के ऊपर या नीचे पुल की व्यवस्था राज्य सरकार की अपनी आयोजनाओं का एक अंग है। रेल प्रशासन उन्हीं पुलों के निर्माण का काम हाथ में लेता है, जिनकी सिफारिश राज्य सरकार करती है और वर्तमान नियमों के अधीन जिनकी लागत पर अपने हिस्से की रकम देने को तैयार होती है।

मरे समपार के सम्बन्ध में कानपुर म्यूनिसिपल बोर्ड ने अभी योजना को अन्तिम रूप नहीं दिया है और न यह फैसला किया है कि पुल लाइन के ऊपर बनेगा या नीचे। फिर भी रेलवे ने अपना काम कर लिया है, अर्थात् पुल बनाने के लिये १९६२-६३ के निर्माण-कार्यक्रम में आवश्यक व्यवस्था कर ली है। पुल बनाने के सम्बन्ध में अन्तिम आयोजना उस समय तैयार की जायेगी, जब कानपुर म्यूनिसिपल बोर्ड से इस आशय की एक निश्चित योजना मिल जाय कि पुल के लिए अपने खर्च पर वह पहुंच-मार्ग बनाने का काम किस वर्ष शुरू कर सकेगा।

पंकी स्टेशन के पास मौजूदा समपार के स्थान पर लाइन के ऊपर नीचे पुल बन ने के सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश राज्य सरकार ने इस मन्त्रालय को सूचित किया है कि धन की कमी के कारण वह अपने राज्य में मुजफ्फर नगर में एक पुल के अलावा किसी और ऊपरी पुल के लिए धन की व्यवस्था नहीं कर सकेगी।

चम्बल परियोजना

१४८०. **श्री बेरवा** : क्या सिंचाई और विद्युत् मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चम्बल योजना के कार्य में अब तक क्या प्रगति हुई है;

(ख) इस योजना का कार्य कितने समय में पूरा हो जायेगा; और

(ग) इसके अन्तर्गत सिंचाई के लिये नहरों का निर्माण और विद्युत् का उत्पादन होने के बाद राजस्थान और मध्य प्रदेश को कितना लाभ होगा ?

सिंचाई तथा विद्युत् मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अलगेसन) : (क) चम्बल परियोजना की प्रथम अवस्था के मुख्य कार्य की प्रगति मार्च, १९६२ के अन्त तक नीचे दी गई है :—

(१) गान्धी सागर बांध (मध्य प्रदेश)

पूर्ण हो गया है।